प्राणिक हेंद्र अंट्रें अंट्रें प्रत्ये प्रति प्र

ीहरूक (15°5°छोमधर्क) र्गार्स-हर्न्स विद्याल्ञ बर्ल

ठदर्क भार्च उमर्रोज ॥ रिजाडमर्र ठोम रुहर्ष्ट

र्गेण्ठ ीलहर्व दीह्रण्यतः नीर्गत भारजणो

था प्रकार से प्रमाण्य प्रमाण्य प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमाणिक

राधार प्रायम , १४४७ हेर्स भणार , ४३४७

ा ज्यम्भ हिक्क रिक्र शिर्धा ज्याचित

अटा संस्था प्रकार केर चारक (इसमा में

. क्थर मण दर्वड (१५४५म भारष्ठ ५५६

॥ गरापाठापा॰क गिगस्राहर्य गिर्गम छोगराछनस्रद

गिन्नस्थितान्य रिज्याटापीटा हरूम

प्पण्<u>भर</u> जा 'घटभर जगातीर' प्रत्मम निर्मा

रणादर्ज प्रदक्ष प्रमंत्र सरप्रश्रीमर्प ४८१६३

र्छेछर ॰ग्र उद दिश्विद्यदः ...मग्र प्रान्थाप रूर्प

॥'...१४८भीत श्वाञ्च मा उर्द जन पा इर्ड जाते मा

ण्दर्य गेर्के हर्केर रदर्स मर्ज भाजिहर्ज मर्ज

१०४० दर्मा मध्या भ्यात भ

ਨੱਡਦਿਘਿਲਤਦ, ਡਦੇਦੇ ਦੀ ਸਾ<u>ਡਟ</u>ਿਘ

මාපාන වෆයෙන් আපුනාග්ප ? ්වාපාන

र्रमण उटेंटे भीतरहाण र्रमण्ड १ वर्ष

, मंड राप्त सधेंद्र पार्विड उमर्रम अन्हों मो भाम

हीम प्रामणमा विष्णा विष्णा विष्णा प्राप्ति

ेम'रू ४रोम ीपामंत्रीम , मंड रहें रहरम

टॅरेणप्रा समा प्रेंडर टा, टापर्मणार

किन्नर्वात वर्गातात भरावा भराविके

टा प्राची निवास निवास करा में उस मालका निवास कर स्थाप

रमरत्वाग रिवर्ट तिल्य समन्त्रमा ॥ प्राच्छात्रात्रभ

विष्य ४८२ पार्वरेंडे रूणणम ीजील २०२ पार्वरेंडे

॥ शिर्रें हर्ष चिट्टिमारीभ्र भारत हा मि

प्पन्नर भीगारहरीण प्राप्तिर देरेण प्रज्ञाणसण

सिडिंग मधेँद्र पार्किंड उमर्रम स्वीम भामर्रीम

एस्थः ।। स्थारहित स्थार वाहित्राति ।। स्थार

ിലാത യോ ,ിനമിപ്പ് മാച്ചിടിന വച്ച്

र्भाषा एळण भग्दर्भ अधिभिभाग रहेषा

र दर्बड लोस्ट्रेंप भाषीन्द्रेंच ॥ ग्रिभार ४०६१

एङ्रम ०४२२ ईमाष्ट्रा ५५४८ एङ्र

'छऐटे भी जरूद प्रेडेंट भी जरूद में केंद्र में केंद्र

भार्ष र्देंग्रोप रैंठ रें॥

 $\mathbb{Z}_{\mathfrak{d}}$

प्रेक्षेत

र्देशोण स्वयं प्रज्ञ प्राधन मट्टिश्य ।

महस्र्यात दर्भर

रूपार्थन विद्यापानित्र आरोभ

ठहरूँ रहर्व मण रस वर्षण पर्पाण्य ॥ ਹਿਲਹਾ ਨੌੜ ਨਹਨੇ ਨੇਸ਼ਾ ਕਵੰਤਨ ॥ ਕਵੰਤਜਖਨੇ ट॰ष्प्री४रीड॰ींगर रदर्ब्र 'प्रो<u>ड</u>ेर्ह्रामीभ उंजेर' रह्म

क्र<u>ाह</u> की प्रे ल्याम सिक्रन प्रश्व प्रश्विक

<u>भन्र</u>भणेट मिड्ड त्रमध्य प्रमध्य प्रम

🥈 उर्भणहित्र ४६२२ भिणाराम 🏅 रीभेन्समार्ग स्वारोह्र १८०० क्रीस एम एक्रीस भारत के उन्हों के र्शाणसभ्य पानिज्ञाण हिल्ला ह्रा प्रमुक्तीयान्छ्य प्रतिश्र र<u>भत्र</u>दर्य पार्भाधम अशीणमभ्र रज्ञत्मर जाभारा विश्व प्रथम जमध्या भिन्म लि.स. म.ज. १८०१ थ.स. ॥ <u>എ</u>रभणील ह<u>भक्</u>र ଅଟେ ।

ब्र<u>डिंड</u> हिंदी के लिल्लास्त्र प्पान्नीलभार रहेलिक भा<u>भक्</u>र ७००० हो सम्बद्ध रद्ध अर्था भिन्म होश्या उत्तर्थ णारीन्रभणेल जन्नर्छ प्रार्प्रपान्त द्व ॥ <u>°भन्</u>याप्य हमार्थः रञ्जाराज रिसमाज

സ് നാട്ട് ലാ എന്ന സംപ്ര रिटायटभणें हरीत्रयां ह्या १४ तम १४ तम

सेक्टल्ट[,] टटेक ०९३

० स्माय होन्य अस्त अस्त समाम प्रतास विकास अस्ति । अस्ति अस

॥ व्रिथम ज्रह्मम क्ष<u>म्ब</u> ह्व २-२ म्हला

मदर्श्य भारता भारता है

दम जन्माब्यक्री व्यस्त

॥ ौन्द्रपार्गार

र्णा प्रहोत्रज्ञीक्षात्रिक राज्य मीय राज्यं प्रहेर राज्यं

क्षिण्यन्म रामा अध्यात भारत भारत भारत भारत मार्के

प्रियाण्ड्रम एदर्क रज्ञ्य ग्रोषा ० र प्राप्त १ र १ र १ र १ र

े श्रिक्त सहस्या विश्वास । अहा सम्बद्ध । अहा सम्बद्ध

ट्यार्टा समध्य गारभर ३३ अरणायका जात्रीय अ

भाकान्य मा भारत हथा त्यां माथा त्यां माथा त्यां माथा त्यां माथा प्रत्यं माथा

रर्ज्य । रिष्ट उर्द्ध स्प्रात ए उर्द्ध भिष्ट रहिष्टा ।

॥ ब्रिटें एकणमाष्ट्रा यह जाम्रक्य मीख ग्रात्पाञ्चामार दर्भ

मारम्याप्य स्थाप्य मन्त्रमा मन्त्रमायम् विकारम्

॥ ब्रियास्वर्धेय एक दिल्ला । ब्रियास्वर्धेय प्रकृष्ट

दर्स विषयासीएक सीध्य न्नास्य

ා විශාවකර වනවාග්දෙන් නක්

मदर्प ज्यानमा मीय रहाई उर्च जाभयभा अन्य अभ्य

प्रत्राधाः प्रयाभाम प्रतामाम प्रतामाम प्राचारम प्रवासमा विवासम्बन्ध स्थापन

जनस्थ राभद्रक प्राप्त क्रिक

ग्राद्धि स्थाध्य



णणीलिक स्वर्ध माहर्ष माहर्ष मानिक स्वर्ध मिनिक स्वर्य स्वर्ध मिनिक स्वर्ध मिनिक स्वर्ध मिनिक स्वर्ध मिनिक स् හොරිය සංජූන පාර්ය සහයේ ෆහන්රා<u>ය</u> හෙන්රාස බා්ෆක්ර හ්රාක්ෂ හ්රාක්ෂා මාරුම්සට ස්ක්රාක සේඛයට සායන්දා හ්රාක හයේ र उमरीम होटाम होधेंहजाहर्र उन्नंतम उहन्द उदर्व रिमम हामिटाधटापार्ट एउटा ह<u>ामा</u> ा ग्रिजासीमार माण भर्य हत्युष्ट कार्य कर<u>म</u>्ब अर्थ हाम भारता भर

೨೩೫ ನಿನ್ನು ಬರ್ನು ಬರ್ನು ಬರ್ನು ಗಾತು ಮುಬ್ಬರ್ ಕ್ಷಾ

ቀ୬፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞ቝ፞ጜዹፙፙፚ

दम रूटा अधिक जार जार मिला है भी भी में सिला भेज जार जा जी

उर्पणक्र हरे रज्य रंग राज्यार जोषाराष्ट्रकार

 \mathbb{Z}_{g}

शाभऋकिष्मााष

भाक्रद्वत्रप्रमाष

መଳለ2ልG

...... ४.५०% अ... १५% अ... १५% अ... १५%

र्भेष्ठ ग्रामऋष्टिए।॥

रोगास र जहीगा ही दर्ज ह वा मही पहिज्यां

⊕°ऐनऋ°ए

क्रीवर्ट्या अरात हा स्थान स्था

र्ह्मादर्भ ोजारजार १५ तर्ग शिषा १०६<u>म</u> रोमांष अरोगा^रभरू होत्ररभर होएक

र्जा पामसीनार उपार्व दर्भ रोजपाभी निम्हास विकास कर । विकास वितास विकास व

णाटाणा ४० का प्राप्त के विश्व के अध्यक्ष से अध्यक्ष अध्यक्ष अध्यक्ष अध्यक्ष अध्यक्ष अध्यक्ष अध्यक्ष अध्यक्ष अध्य

गदर्यसा । रिस्मीटार्य ग्रहेंद्र गर्र होटार्स ह०-२ ग्रमा भन्न हरस्त्र महस्त होताम भोगम

०७५८७° ८ ०४<u>१५त</u> ५ १५८ असीमा १५८ प्री०ण मध्या मध्या मध्या मध्या प्रतार्थ प्रदार्भ

॥ ौत्रदर्ग्य एष्टश्चर प्रश्ना ष्टर्श्चर

ग्रिस गिरिम गिरिभारभिशार

जहरूर दर्श रिर्ह्मणा मण हर्ष असमा भारति हारा हिन्स निर्देश रहिन्स निर्देश रहिन्स विवर्ध मिन

एला जहाँ सञ्चलस्रि हर्षेष्वर्म

राजार रूपा एर्सभमा मीर एएट जारीन्याराजार माम रह दर्टे एरजाराभिमा

णाहरहरूमा मीर राउं राजिए

क्रम ॥ विराधि स्टामि ५० भारती तर्वस्त वर्वस्त अध्या ।

रदर्ज रोगा रिप्टर्जमा ज<u>िभ्</u>यन्थ भीजीम विद्यालभन्म जर्जन्यर्ज ज्ञाजिभ<u>भ</u>्यन्था द्य

ोन्समण हो भवर्ता है राष्ट्र है राष्ट्र

ल्रम्म

मीन्द्रें जनसार गायांगर विगटनाव्यक्षीय न्यारम सम्बन्ध मारभर निम्ह जनाया हो दर्जन न

आदिसाध्याध्य

ीज्जादध्य मण रद्धाता जमं जिराजनभदर्स्तर प्रजन्त रिक्ष **॥ १७५१ क्राफ्री ए.स.ट. भारुट्रिक**

॥ त्रियार्थक्यार्थ ५५<u>५ हम्</u>यञ्जार प्रमुख्य भिन्न

прожные прожет

र छर्ट्य जिल्ला अभ्म

ച്യാളം ചെയ്യുന്ന

अध्या प्रभाव स्थाप्त स्थाप्त

ਲਫ਼ਾ ਜਪਤ ਸ਼ਾਨਮ ਲੜ ਮਹਿਤੀ

रोत्रजीलर्सा भार २२ रिभर्त

४८० विष्य सद<u>्धिया स्टाप</u> स्टान

होगास्य भारत्य अभ्य

स्था भारत स्थान

ळेगळट

अस्टिन्स <u>किन</u>्न निम्नम्बर <u>रम</u>

ज्ञान अरुभाज

形。そのMi

ന്യാച്ച

रण्यस

गाएऐनळा

मौरू लब्बमदर्ह

ರಹಖ ತಿನ್ನಗುನ್ನು ನಿಜ್ಞನ ನಿರ್ಮಾಗಿ

एक भिस्न जीलक प्रारंभिक्ष ୪୫୩ଲ ଜୟ ୧୯୬<u>୫୪</u>୬୬୪୪ ರ°5एए 2ABJHG **व्याभारा**म्य स्रीलाम समर्ह न्हर्द्ध विद्याचित्रम ॻऻॖॗॗॗॹॹॴॴढ़ॴॗढ़ ॥ जिराण⁶रुण⁶ञ

ण्या प्राथम प्राथम प्राथम ७०% अध्यं प्राणार्षेष्ठ विष्णार्षेज व्यापी क्ष्मित्र क्षेन्य कि व्यापी उस्त्री एक प्राणी<u>माल</u> अदभ्याञ्चन යන්න න්දුක්කයා වාග<u>න්න</u> න්දුක්කයා න්දුක්කයා ස ॥ भिन्नुबनायांता पान्यम छदर्ग

गाएए 分泌 ෆ්සෑන්ගන්ර മ്പരമാപ്രധ पाराणार्व्य मध्या थिःम ह्याराण අගුස් වාග ව්ශානයක් र्सम एन्पार <u>भन्</u>वश्रुरीष्ठ एदर्न

मिथिक २००१मी टमट°नम्र ॥%नम्र

ಚಿನ್ನಾಗಿ ೨೦ ವರ್ನ ನಡೆಗಿ ನಡೆನ உள்-குரி ीणभाषात्रीञ्ज म्हाराज्य मद्रम च्याचे र्चाच विष्युष्ट चित्र አልጀመ ብደመደ ይጨመ ደዜግዮጵ ന്തുടി വരുപ്പെട്ടായ യംവാംബ एसिंध्य ग्रीब्याचिक्यार्गात व्यभीमञ् ीरु आप्र ल्याताल मध्यस २००१५ ज्याताल स्था गिर्ण ॥ १<u>भन</u>्दे हरूम हथा ५४१० दम ग्रद्धा रञ्जर ग्रामि रुभु ३३ किस ग्रहरी पास्त हिन्दी जिल्ह सब्दीम गृह्ये स्थल एक अन्तर्भ स्थल सामार्थ माराम दर्भ ग्रह्म श्राप्त ह्यारि ह्यापार ३३.२२ To med a concoust comments ठीन्राणीत दर्भ हठीन्द्रेल प्रमण्टिण गृह्रं । भिदर्श्व दर्पांभार रद्धांष्यणु अर्मर्श्व ह्रीलक्ष जिन्द्राधात हो स्टब्स्य स्टब्स्य स्टब्स्य स्टब्स्य मक्र प्राथा विमर्क्षक विषय प्रज्ञास्त्र मिन्न र्द्धा प्रभावत्ये प्रभावत्य प्रभावत्य स्थाप्य स्थाप्य ०३.०१ जर्बण स्पाणिणाणिणाणेण जहार १०.६० भारतम ॥ त्रिक्ट प्रत्म प्रधा ग्रह्म अधार <u>४ भन</u>्यार्णात दर्ज गेंं गेंं एक ४ भूत २३ कि.स ीएगरे एकडर्च एप्पर्स , रिदर्श स्पार्स केडए चेटठ टैंकी॥ प्रक्रुष्ट एथा सुक्रिए, ी एर हिस्स स्थान एक लिए विमान हर

ल्यातीर्जिया में निवस्त हे विश्वास ह्रान्ट जिल्ला स्टार्म जिल्ला जिल्ला स्टार्म ज्ञानिक्ष विक्रातिक्रम ଅ୫.02 ସୀଠଂଖିଲା ସ୍ତ୍ରିପ୍ତ ମହିଷ୍ଟ୍ରେମ୍ବର त्या ह्या का अध्याप का अध्याप स्थापिक स ॥ दिर्घ राभर्म ग्रह्म स्थापिक

११ तरे प्रस्था

॥ रियार्थ सार्वे अधार्य अवर्ष

प्रकारिए एट्रिटि॰एकाणी सम्बन्ध १-० क्र देरेण अभ्योग्यस्थ प्रभणभाष्ट्री सिण्यामुर

गन्दण्ह्याहित, टुटेक ०९ँ (पण्टण्ह्या)ः स्मार्गसमा हेन्द्र सस्टी॥ एर्टिड हिंदी महम प्राचित्र संस्कृति

॥ गिष्ठीयर्पे प्रस्ति अथ्य क्रमध्य सम्बन्ध सम्बन्ध स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थ ॥ विसारभन्मा ४ इतिहास उत्रास्त्र उत्राप्त उत्राप्त

<u>रा प्रशिक्ष हुम प्रभःम प्रभारमध्य</u> ॥ ନିଅନ୍ଥ ଅଞ୍ଚଳ ଆଧି ଛ ୧-୧ ଅଝାୟ ଅଟେ ଅଫୁଟ ଅଟେ ଅନ୍ୟର୍ଥ ଅଟେ ଅଟେ ଅଟେ ଅଟେ ଆସଂର ବ୍ୟଳ ଅଞ୍ଚଳ । ବ୍ୟକ୍ତ । ବ୍ୟକ୍ତ ଅଟେ ଅଟେ ଅ

॥ त्रिकारादर्भ प्रभ्यम भा मन्या भग्नद्धभा स्रहण्य भग्नद्धभा प्रशिष्ठग्रद

रण्याण रणसाप राजमाप राजमाप मीय त्यापील रोक्सभर स्रोतम मतम ग्रीमाधर होस्या राजमा राजमा राजमाप राजमाप प्रताप प्र र्राम छंदीसग्जय ।। रिप्रगण्टी छर्छेद एञ्चीस रीयर्षे विष्यभ्यमंभिष्य विष्यन्द एञ्चलण र्जापा रिकासीक्षा रूपा विष् ीष्प्रसभ्न स्रॉप्सदर्म भास्त्रभाटनिवर्ग होत्रप्रण भारतिक होत्रप्रभार रामे स्वाप्त प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प

महेंसक भाराष्यक रामित प्रसान प्रसान प्रसान प्रसान प्रसान प्रसान प्रमान प्रम प्रमान प्र

जहीगा भटाभाग राजायाज हाँसादमी भिरीहणूद रिन्दी विस्पार्वम जरीहणूद .दरि राजा ह्मीम भावरंज्ञम ह्रमण पा॰रएण होयञ्चोलीर के ह्यायन ह<u>म्भ</u>योक्षत्रम राज्याल हामाल एक्ष्योप पामाल ടയ്ട്യ ഷ്രാവം ചെയ്യു വാര്യ കൂടിച്ച മിമായ് ജിവായ നട്ടു വിവാന ശേവിഷ്യ റോഗ്യവ വെ ഉടെ ഉട്ടെ ഉട്ടെ ഉട്ടെ ഉട്ടെ ഉട്ട र्टण हमस्य सारभर ४ भोगम गर्दण क्षात्रण हमाराम हार्या का हमाराम हमाराम हमाराम हमाराम हमाराम हमाराम हमाराम हमाराम र्य प्रीयामी ह ०-१ मुहोत्राभी सम १-३ हुह्म इन्धर्म होभें मन्म पार्य रात्रभन

> रोह्रज्ञद रिक्ट्रायदम राज्यस भागमभा ठीन्र छाया हर्स सहस्या स्थान विषय प्रति अरोर्ड हर्म स्टर्ण विषया विषय प्रति हर् सम्म पा॰रिंग होत्रजीलिर ह ३३ भीजीम हभरतम् ह ०-६ हर्त्रोह्रजत रहरभ्म प्रोजिप्पर्ण रहम भाररीय मण भणभ्या रिदर्भभा

पा॰ष्यःग होत्रंष एत्रीह्रग्रद एष्ट र्यम लमराज प्रायास ३३ भीयोज विप्रसभ्ज सजाय ३३ भीयोज विप्रसभ्ज उभीरांज एक्वारा म्म $oldsymbol{\Gamma}$ ण छन्तांल भक्तेनल भागां $\overline{\mathbf{M}}$ ल ममम्म $oldsymbol{\Gamma}$ णा समर्भ \mathbb{R} स्था \mathbb{R} स्था स्वालम स्वालम יगरीबर्द्ध टीटाप्रमें उद्देशिक्यत उन्नुग्रीटाग्रस 'सन्नटभ्य न्नीम गिन्नक'टभर्द्धा गांत्र्यम उप्रभ्रदेभ । बिन्न स्ट्रामभोउफ र्जरीहरूट ॥ोत्पार्मात दर्भ हुम रभन्म एएदर्व ५ एस्टर्वाप रभम्म । गादर्व सम्म एक्या १५ एम ए। एसप्रभन रोत्र एष्ट्र भारिमध्य र्रेणट एम्हिस्ट लेखराज्य ।

ट्रम ॥ १२५ भागाएस १५ मध्य ന്നാലെ കാകുന്നു പ്രവാധ णिपार्यस्यान्त् स्वराभ⁶त् राभर्त ८,४८ ५००१ १८ १८ १८ १८ १८ राधा एक हम सम एम जमतम मध्म एष्टम ॥ डिप्ट्रिल मध्म मंत्र स्वापित्रज्ञल्या जास्त्रवृत्त उषा रहर्रण्य ह्यारियण्डा `सक्षम सेक्श्रेणएक्नटी॥ एम्रु **भटा अधा निराम हैं मार्गात हैं ग्रम** ८,४८ भन्ममध्य ष्रध्याच्य पाराटाच

ଆ 'ऋञ्ञरायारी ऋष्यो

നംപുപ്പു <u>ഷ</u>യും ഉംവ-

ा ब्रिटायाय्य हो ब्रिटारिश

മംപമപ്പുന്നും പ്രവ ष्ठीभदर्ब मञ्ज ज्ञाम जिस्टर्भ रिप्रण पार्रहोत् स्थाद भीत् पारामण र स्वरमर्राण ह्या उर्घात्र मिल्य काम प्रसंदर्भ ଅପ୍ରେଲ୍ଲ ଅନ୍ତର୍ଥ ।

गदर्श (द्रापात्र प्रथम का दिल्ला) "टापाला राजन पाभवर्ट ॥त्रद्ध मण पाभवर्ट ४७६८०म ीगद २२२२ ईमष्ट एपामंध्रम भिण्न ह्या क्रांधीय हुन स्थान मञमर रूपाटामा हुए हो स्वाप्ट स्वाम् ष्रश्रीयमध्य जिमस्म समिति एव प्रहर्वण र्गेज्र -ह्रम् होत्रणभाराण हरामाभवर् **७क्कि॰ज्ञम , राजर्ज्ज । । पा<u>ठ</u>र**ाराभ

र्राष्ट्रीयश्रमण पाठप्पभारा भारतिबर्मे भारति

шിෆා हा स्ट्रिस्ट हिड्ड एक एक प्रस्का

गासस्रहीय है र छ र उस वास्त्र भामक

टा उर प्रधाप प्रतिस्था के प्रतिस्था स्थाप स्

••• मारुक्रात दर्भार •••

णगक्षात्र स्वसंख्य, स्थानस्य प्रश्मान्य टरें कि जा क गर्मस-र्ज्ञे होब्राम्बर्स स्वाधितान ैर्स्यात हैर्प स्थर पार्य्य राष्ट्रे भिम णमर्रि पाल्डिकाल भादर्गस्य ॥ स्रिभ्भात्रं रुजेष्ठ ए. हुन । इस्टर्स किन्न किन्न हुन ज्यादर्वर रिकार्ज क्रमण रिकार हर्येंट दैस्त्र गिन्नस्वर्धसभा । रिश्वर्धस गार्टमद-र्ज्ञे एवं आत्मालक स्वाधित होता है। प्राथा १३ रहे मध्य ॥ भूति भूष भूष रदर्गा स्टेडण एमफरिषा , रिर्म पर्भिर

ग्राहेर ीहरू आराधार्थर पारम भारत **1 හා**ගමයේ දං**ස**්දේශ - 'ඔපහස්අ ॥ 'डायाभेरे ४ एजी डील एदर्ग मार्भर ,जाराज्यमं जापाटामाध्य भन्तीम जिमहीम **पायम यापाय १००५ वर्ष १४ में भार्म** मार्यक्रा ४ राज्यस्य ॥ ४ जन्द्रस्य ४ साग्रियः रामस्य

॥ ब्रिद्धक्र प्रमाष्ट्रक

हिटाए सिक्ट कार्य जिल्ला कार्य कार्य कार्य कार्य क्ष्यां मुख्या प्राप्त क्ष्यां मुख्या मुख्या भिष्य क्ष - इटार्म प्रन्टित दर्भक्र अधि स्थाप्त स्थाप्त टॅंग्रेजिय राजन रहर्त ॥ राजन विकास भारतिक स्यम येष्ठ ग्रोमट्रह-स्वन्ध्य राष्ट्र मारम `लेल सेष टेनट्रमल प्रोष्ठ॥ सॅक्षेप्पल हेष, सेब्र

· हरामा स्ट्रिस एट्रिक र्जे प्राप्ति ससेपान्नाणी, लाजर्जी देंह स्र्वेष्ण्या प्रस्का भाषानित्र प्रत्यापिक गोरेज्य टटेश्ट्य प्रायंत्रे। द्र गारी पण्णी स्वाहर अध्य प्राची मेर का अध्य अध्य णा<u>भक्</u>रभग लब्बर्क भन्भभासभी -ौद्राप्त°5 **୬୯**୬୮୭°**ଅ**୩<u>୩୪</u>୯୦୫୬ଟ **ऋ**ष्टलियाटियाटियाटियाटिया फ्रम्बर्स , ब्राह्म प्रधायक सम्मा ग<u>र</u>ाहरीहण्य -ीणरीबदर्व गणाम:<u>भार</u> भित्रहाम विक्रम अप्रेस मिन्न किया मिन्न अप्रेस

रमणीएक एगर अगर्भवमन् ोन्स क्ट्रिया कार्य सभारम रहेर <u>जिल्</u>या होत क्रिका ॥ राजिन्या स्वातिक स्वा एडर्ट्स प्रेंग तरंग , एउस्भार मिर्हामार्पार न्ध्याहरी निष्याहरी निष्याहरू निष्याहरू निष्याहरू निष्याहरू निष्याहरू निष्याहरू निष्याहरू निष्याहरू निष्याहरू \overline{M} וושוי אדיבעלוו פון אפעל ग्रोक्ट टिन्नस्, टॅंग्रोप्पणस्ट, स्ट्रेप ज्ञामा तत्रकः, ब्लाम बान्य बान् मिविविज्ञस ्रज्ञाणसण्णा '४ऐऐ <u>७४</u>९°ज्ञध' दें- प्रस, प्रएी, भारतम् ॥ मत्यभा भारतम् ॥ मन्यभ ॥ डिन्टीलब्टर्स प्रमास मण प्रत्याप्य उदिश्यम ॥ 'ऋञल्दर'ण राष्ट्र प्राप्त क्रिक भक्<u>रभव्</u> ஆவ் சிம் हिन्दा हिन्दा हिन्दा हिन्दा हिन्दा हिन्दा है । सफ्र ऑस्ट्राइट्स ,पा<u>भर</u>द्धरण ।। दर्हस पा<u>भर</u>दरण

र्देशण गरणप्रौ

ण्यात दुरा प्रकार क्षा करूगा कारा वार हे सरा करा मार्थ भार है भार है

🎧 गए 🎮 गांच र प्राप्त मा है मार्गार ठालामाय आरम्ब्रे व्यास त्वितस्त्राकृष्ट क्रमाञ्जामा भा उच्चारमध्या अध्यक्तिमध्यात अध्यक्तिमध्य सेणरा अक्षा प्राप्त देशिष -െന്ന ക്കായം മൂ ചാവന दूरमाँग -एन्ट्रेड ४५७६५ उद्धर स्वाधित ५५% ा भिष्ठ इस् उदर्ह राज्या

र्द्धागस्ट श्रुम क्रिम्स श्रुम् 'COM TO COM TANCE (COM TANCE) म्हर्मात अधिर चेत्राम्य स्थापन क्रिमाँप राज्याच्या प्राप्यक्रम -නෙන් වනයාල්ස භාගත ह्यात्माय होया हदर्शहर्रञ्छ ब्रह्मीबर एक्ट्राया क्र<u>प्</u>रस<u>रब्र</u>स्य THOPO HOWEL WHATER ॥ भिष्ठस्रवाञ्चलील राज्यसम

-വല്ലെ മ്പ്രൂ ിട്ട हर हैर जाताना अंदर वि **४ह्नदक्षर्राण्ह्र**र र्ह्मार्क्र प्रस्ति स्वारिभ्र्युण उपाथरम जिल्ला है मर्गार रहणी जा ിച്ചു ന്ന്ന് നിവാടംഗ ക്കാഷ് ॥ भिदर्श जिसार आरर्श्त रुपणम ट्यम स्टाञ्जास ४ जाए १४ जाए १४ क्रमाँग एउन्थ्र हो देखा प्रियामणीहरू हरम जीलक - आरमण राज्य हेर देश अध्याप ए जेंडए ग्रेटर ग्रमटी।

ेट के के प्राचित्र के प्राच्या के प्राचित्र कि मण्डमार्स ज्ञाधिताच्य रक्षे उभ ण्यरं भमारख हरणाञ्च प्रहुष र्रेराम ॥ रिमम् इमार राष्ट्र राज्या । **प्राटाण**ीय उसे सरवाण्डे उसण्या ിച്ചിധാകാധായ കാരാഷ്ട്ര ഉയ ग्रदर्श ग्रिगाटमार राजापा राजापा रहेश्य ज्ञानिक का प्राप्त प्रश्रम राषा गिणार्प्राण्य राहद्वभिर्माक्रम -*ද*ෙනා ස දෙර සයකයා පැග්යාද*ු* लिए हैं जिल्ला कि जा कि - जोस जबर्ज राज्याउमाप्त हाएराई ।] ब्राचर्क्सार्व उप्पोराभाराभ

रीभग्रभ्य पारिष्य पारिष्य -നടം സന്യാന് ഇവ

,८स.त.त. य.घ <u>प्राप्त</u>ास्त्र ण्डामान्द्रक्ता स*्*रिट्स्प्राक्रक स्ट्र-- Шेर्स्ट क्रिक्स होन्या हा ज्यान -श्याण किम्मार रहेमा जिल्ह रिस्टीस जमर्रीस जाराज्यी - जिसार राजानी राजा राजा राजा राजा राजा ए क्रिइट इंटर वि

क्रमञ्जा कराजिस्ताम् भिष्ट उम्रण हार्षिय भर्म भ्रियान विश्वन -टामीहर्म जा<u>भह</u>ीहरूस <u>भर</u>दर् पार्वेन् रिधण्यारात लहान्य हिंदा है । -നഴച്ചായ കാരുപ്പെ വന്ന പ്രവാത്യ എന്ന പ്രവാത്യ मरूर भारते राज्यस सरमाध्य हेराण र्ह्नेटः ॥ एः त<u>ञ्च</u>ण्णाणेख प्रप्तेष क्रिका समध्स हर्य ग्रज्जू र्रन्ह रिग्र त्रधात क्रापत क्रापत क्रापत क्रापत ॥ भिदर्क जिसाप्त ग्रार्भ्क

उद्यामित्राथी क्षेष्ट प्रहासान <u>गाल्</u>रेह्लेस प्रााणि ऋत<u>ात्र</u>ि ण्या भारति स्थान होभदर्क अध्याध्यातिक नियद्ध विक्रोण पार्थ दिस्ती प्राप्ती पार्शिक समध्य आधार वास्त्रा भाभद्रे -पाछ॰र रह्मर प्राराभर भराजभा स्ट्रह्मराए द[े]डएए स्ट्रे स्ट्रह्म



यस्भिन्न, यथ्<u>राज्य</u> टिहोर्ग प्र -०ज्यत र्र्ज ठीठाम स्रज्ञम भवरार अध्याभ त्रामा अध्याभार भारत ोणामण हि<u>ष्ट</u>ा होत्रद्धभर ग्रस्भ -ई रिक्तारिक स्थाप्य अञ्चलका अभिराधिक मार्कीन्र राज्योठील सरधान्तरं र्यं ण्यात क्राप्त हात्रा हात्र क्राप्त क्र क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप मळ्य भारमक आत्मार्क्स भारत ह्रेटः॥ 'ऋए<u>ं ऋ</u>सःश' प्राप्ते जिल्ला ಶಾಗ್ರಾಗ್ರಹ್ಮ ಕನ್ನಡ ಬಿರುಗ್ರಹ್ಮ णायाधार्यात का अधीराद्यां भारत हासग्राधीया प्रामार्थिया ॥ छिम्राग्र रुद्धम प्राष्ट्रील

भारतस्तर सक्र और हर्द्धा \overline{S} ीष्याणमाणीऽँरः ॥ रिजाराणडान्ट्रबर्भ्य **ග**ීනයේ වන ගොස්වනයෙන त्यात्रश्च क्रस्मात्या वास्त्राधरा इस्ति याध्या वाध्या वाध्या द्रुगातिस्त्रा तथ्य भारतिस्त्र -ग्रजीयी रिक्र प्राप्तिक रिभर्दिक हर्स्स क्टाइम्स भार<u>भवर</u> जाभ ૪૭૬૩ ૧૫૩૬ન્ટ વાઇજ૭૬૪વા૭ન भूषार्ग्स एदर्ल क्षेत्र माह्न्य भाष्टमाष्ट उखीयलाग्रद र्रेंड ठीडण स्रभण प्राप्ताताल क्रिया मध्या भ गासिक हरतेस उन्ह अधिक अभाग

'ए॰प्रक स॰क्रीलिख' उक्तए॰प्रक में भाष्ट्रिक्ट होत्रणाहित् <u>-४</u> गञ्चत्वाब्दम भारता ४५६भार ലംധു സംകാഷ കാരു പ്ര ന്താണ് ചെഴുപ്പെ കാക്കുന്നു മന്ത്യ ගස්තන සඟ්මන ද්නංගන

न्याम्ब्राणि हिंगम्ब्र टेंक्ट्रिश म्ल स्टार्मिन भारदियोम ॥दर्ह्यत मधमत्राष्ट्रा र्राष्ट्र एक उज्जताब्यम ट्रियान्त्र . स्याध्या स्थाप्रस्ता स<u>भन्</u>योत ब्रह्मण अमान्स्यमञ्जा विकास र्ह्णात्म अध्याप अवार जिल्लाच ण्रहमारीच प्रांटाम प्रांटाम र्यं क्षमान्त्र नाभारतान्त्र समित्र -ර් වෑනෙම්ෆා්ග් ෆෑහෙ ඔව්ෆ්ෆ්ෆ් साउग्रात्मात्र क्राज्य क्राज्यात्र । उसा रजांध र जांध र जांस र जांस `401णम् अराजान्यमा स्वाधाराभ भ्राज्या भ्राज्याहिन्स हिन्द्रस स्माउम आराएश्ट्रक पार्क्रक ॥ दक्षा अद्योह यहान्यम हमसीयपार्क्ष प्राष्ट्राया भटाञ्चा

००२ ट्रन्स रज्ञांदश्य ज्ञांदश्य भ्भ रूष्ट टेंभीर टेइएे पार्टी टेड्र ीर्फ्र ग्रमक्षम आराणक्र ग्रेर रहण र्राष्ट्री तथ्याम समञ्जन भाष्मीहत्त्र ाजिनदी। प्रमुख अक्षाण प्रापेष टेराधिक लिएकील हिस्सी टब्स भटाञकास जात्रस निर्माटाम ज्रस्म में अर्थे अर्थे कि निर्म न्यामर होज तर्ज उरिए एसाए



